भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 421

बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को उत्तर देने के लिए

इन-स्पेस द्वारा निजी कंपनियों को दिशानिर्देश

421. श्री योगेन्द्र चांदोलियाः

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकार केन्द्र (इन-स्पेस) द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों का मार्गदर्शन करने के लिए शुरू किए गए कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की किन्हीं घरेलू निजी उपग्रहों के प्रक्षेपण की योजना है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) सरकार द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोल देने के साथ, इस क्षेत्र में निजी कंपनियों के मार्गदर्शन हेतु भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकार केंद्र (इन-स्पेस) द्वारा निम्नलिखित सहयोगी कार्यकलाप आयोजित किए जा रहे हैं:

- मेंटरशिप के साथ-साथ इसरो सुविधा उपयोग सहायता प्रदान करना।
- एनजीई को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।
- नवीन विचारों को प्ररूपी विकास में परिवर्तित करने के लिए स्टार्ट-अप्स को इन-स्पेस बीज निधि सहायता।
- इसरो की सुविधा के उपयोग हेतु एनजीई को इन-स्पेस मूल्य सहायता।
- अंतरिक्ष परितंत्र के सभी हितधारकों को जोड़ने के लिए इन-स्पेस डिजिटल मंच का सृजन।
- इन-स्पेस डिजाइन प्रयोगशाला की स्थापना, जहां पर स्टार्ट-अप्स क्रांतिक अंतरिक्ष प्रणालियों/उप-प्रणालियों के डिजाइन एवं विश्लेषण के लिए उन्नत अनुकारी सॉफ्टवेयर का उपयोग कर सकते हैं।

...2/-

- उभरते अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र, आदि में कौशल विकास।

(ख) अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सी.पी.एस.ई.), न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनसिल) के साथ वाणिज्यिक प्रमोचन करार के तहत घरेलू निजी कंपनियों द्वारा निर्मित उपग्रहों को इसरो पहले ही प्रमोचित कर चुका है। एनसिल निजी उपग्रह कंपनियों के साथ वाणिज्यिक करार के अंतर्गत प्रमोचन सेवाएं उपलब्ध कराता रहेगा।

(ग) मैसर्स ध्रुवा स्पेस (प्रा) लिमिटेड, बेंगलूरु द्वारा निर्मित थाईबोल्ट-1 एवं थाईबोल्ट-2 नामक दो उपग्रह तथा मैसर्स पिक्सल इंडिया (प्रा) लिमिडेट, बेंगलूरु द्वारा निर्मित आनंद नामक एक उपग्रह 26 नवंबर, 2022 को पीएसएलवी सी54 मिशन में सहयात्रियों के रूप में प्रमोचित किए गए।

***